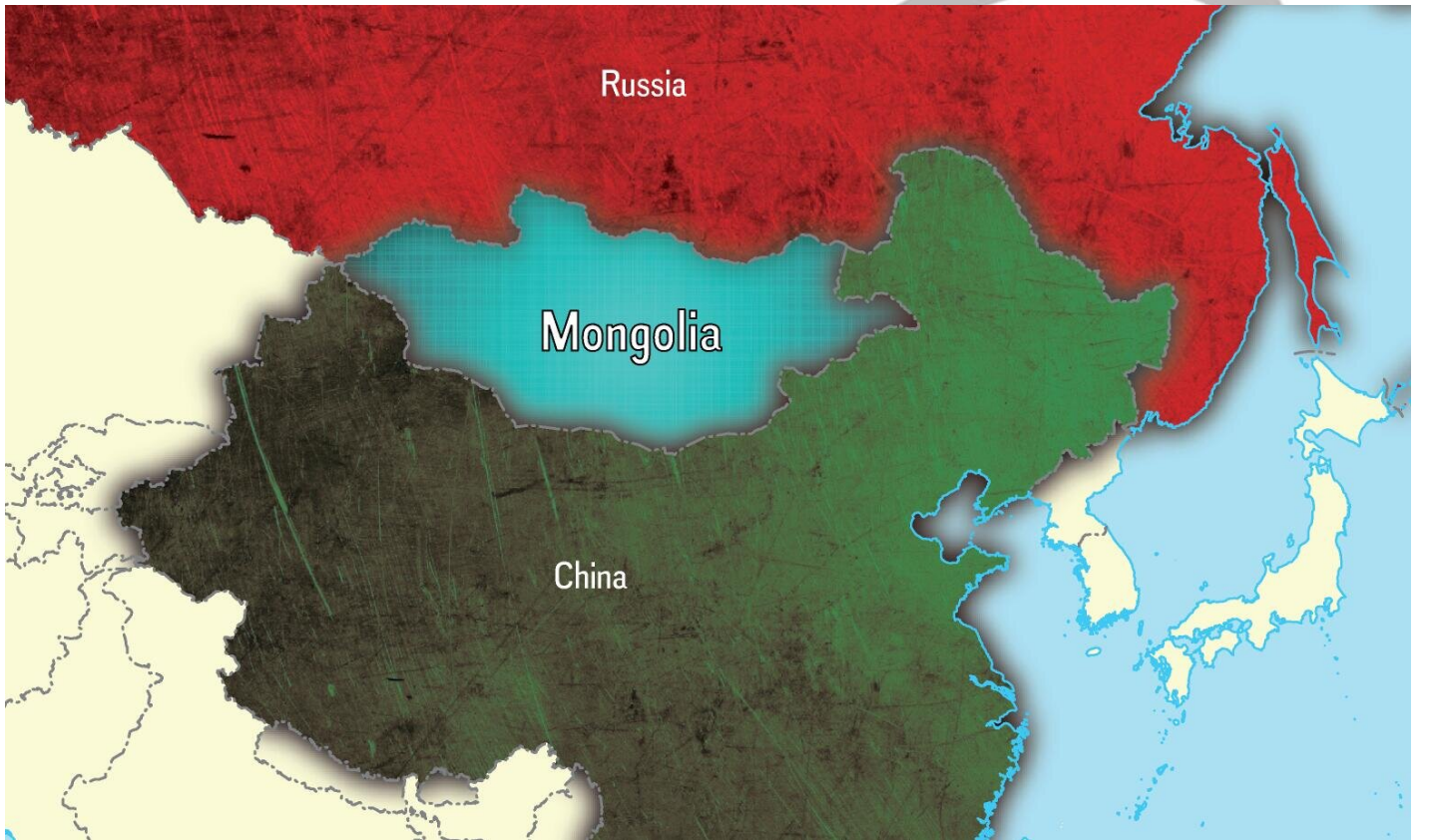


Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 17 जुलाई, 2023

नोमैडिक एलीफेंट-23" का 15वाँ संस्करण

हाल ही में भारतीय सेना के 43 जवानों की टुकड़ी ने "नोमैडिक एलीफेंट-23" के 15वें संस्करण में भाग लेने के लिये मंगोलिया के लिये प्रस्थान किया। इस सैन्य अभ्यास का आयोजन 17 से 31 जुलाई, 2023 तक मंगोलिया के उलानबटार में निर्धारित है। नोमैडिक एलीफेंट अभ्यास भारत का मंगोलिया के साथ एक वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है जो मंगोलिया और भारत में क्रमिक रूप से आयोजित किया जाता है। भारत मंगोलिया द्वारा वार्षिक तौर पर आयोजित खान क्वेस्ट नामक सप्ताह भर चलने वाले संयुक्त प्रशिक्षण अभ्यास में भी सक्रिय भागीदार है।



//

और पढ़ें... [भारत-मंगोलिया संबंध](#)

तरु कुमारस्वामी कामराज की 120वीं जयंती

हाल ही में प्रधानमंत्री ने भारत के विकास में तरु कुमारस्वामी कामराज के महत्वपूर्ण योगदान को याद करते हुए उनकी जयंती (15 जुलाई, 1903-2 अक्टूबर 1975) पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। तरु के. कामराज ने वर्ष 1930 में नमक सत्याग्रह में सक्रिय रूप से भाग लिया और दो साल कारावास की सज़ा काटी। ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारत छोड़ो आंदोलन में प्रमुख भागीदारी के कारण उन्हें वर्ष 1942 से 1945 तक पुनः कारावास की सज़ा का सामना

करना पड़ा। वह एक स्वतंत्रता सेनानी, राजनीतज्ञ और समाज सुधारक थे, जिन्होंने नौ वर्षों तक मदरास (अब तमलिनाडु) राज्य के मुख्यमंत्री और चार वर्षों तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद क्रमशः लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी को भारत के प्रधानमंत्री के रूप में चुनने के लिये उन्हें "कगिमेकर" के रूप में जाना जाता था। वह शिक्षा और गरीबी उन्मूलन के भी समर्थक थे, उन्होंने तमलिनाडु में गरीब छात्रों के लिये मुफ्त स्कूल पोशाक, पाठ्यपुस्तकें, मध्याह्न भोजन तथा छात्रवृत्तियाँ जैसी योजनाएँ शुरू की। उन्हें वर्ष 1976 में मरणोपरान्त भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान [भारत रत्न](#) से सम्मानित किया गया।



ओपेनहाइमर: परमाणु बम के जनक

अमेरिकी सैद्धांतिक भौतिक विज्ञानी **जे. रॉबर्ट ओपेनहाइमर** को परमाणु बम के निर्माण में उनकी महत्त्वपूर्ण भूमिका के लिये जाना जाता है। लॉस एलामोस प्रयोगशाला के प्रमुख और मैनहट्टन प्रोजेक्ट के नेता के रूप में ओपेनहाइमर और उनकी टीम ने पहला **परमाणु बम** विकसित करने के लिये परमाणु भौतिकी का उपयोग किया था। परमाणु युग की शुरुआत **16 जुलाई, 1945 को ट्रिनिटी टेस्ट** के साथ हुई थी जो पहले परमाणु बम के सफल विस्फोट का प्रतीक था। इसके बाद **संयुक्त राज्य अमेरिका ने जापान में हिरिशिमा और नागासाकी पर परमाणु बम गिराए, इस वनिाशकारी घटना में** लाखों नागरिकों की जान चली गई। इन परमाणु विस्फोटों ने पूर्वी कषेत्र में **द्वितीय विश्व युद्ध** को समाप्त करने के साथ ही परमाणु हथियारों की होड़ शुरू कर दी, जिसके चलते सोवियत संघ, ब्रिटन, फ्रांस एवं चीन ने स्वयं के परमाणु हथियार विकसित कर लिये। ओपेनहाइमर मानवता को अपने वनिाश के साधन प्रदान करने के नहितार्थों के बारे में संदेह से ग्रस्त थे। उन्होंने **भगवद् गीता** के माध्यम से दर्शनशास्त्र में सांतवना एवं प्रतबिबि की तलाश की। भगवद् गीता पर ओपेनहाइमर के चिंतन ने उन्हें अपने कार्यों में सामंजस्य स्थापित करने की अनुमति दी तथा उन्होंने **परमाणु बम विकसित करने में अपनी भूमिका की तुलना महाभारत में अर्जुन द्वारा सामना की गई नैतिक दुविधाओं से की।**

और पढ़ें... [हिरिशिमा और नागासाकी, भगवद् गीता, द्वितीय विश्व युद्ध](#)

वशिव सर्प दविस

सर्पों की रक्षा करने के साथ भारत के पारस्थितिकी तंत्र में उनके महत्त्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से **16 जुलाई, 2023 को राष्ट्रीय प्राणी उद्यान** द्वारा **वशिव सर्प दविस** मनाया गया। वर्तमान में भारत में 300 से अधिक सर्प प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से 60 प्रजातियाँ वषिली मानी जाती हैं। इन 60 में से अधिकांश सर्प के काटने की घटनाएँ बड़ी 4 प्रजातियों के कारण होती हैं: **डाबोइया रुसेली** (रसेल्स वाइपर), **नाजा-नाजा** (सामान्य [भारतीय कोबरा](#)), **बुंगारस कैर्यूलस** (सामान्य क्रेट) और **इचसि कैरनाटस** (सॉ-स्केलड वाइपर)।

और पढ़ें... [सर्पदंश वषि](#)